

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह का सामरिक महत्त्व

प्रलम्बिस के लयि:

[Andaman and Nicobar Islands, Indo-Pacific region, Malacca Strait, UNCLOS, India's Act East Policy](#)

मेन्स के लयि:

अंडमान और निकोबार द्वीप से जुड़े सामरिक महत्त्व और चुनौतियौँ, भारत पर भू-राजनीतिक प्रभाव

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यौँ?

[अंडमान और निकोबार द्वीप समूह \(ANI\)](#) को वकिसति करने पर भारत सरकार का नए सरि से ध्यान केंद्रति करना, [भारत-प्रशांत कषेत्र](#) में उनके रणनीतिक महत्त्व को रेखांकति करता है, जसिसे बुनयिदी ढाँचे एवं सुरक्षा को बढ़ाने के प्रयासों को बढ़ावा मलिता है ।

- द्वीपों पर नागरिक और सैन्य दोनों तरह के रणनीतिक बुनयिदी ढाँचे के नरिमाण पर हालिया फोकस लंबे समय से लंबति है तथा आज़ादी के बाद से रणनीतिक सामुद्रिक दृष्टि की कमी को दर्शाता है ।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का सामरिक महत्त्व क्या है?

- भारतीय मुख्य भूमि से 700 समुद्री मील दक्षिण-पूरव में स्थति, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह [भारत के वशिष आर्थिक कषेत्र](#) में 300,000 वर्ग किलोमीटर कषेत्र जोड़ता है, जसिमें [समुद्र के नीचे हाइड्रोकार्बन एवं खनजि भंडार की संभावना](#) है ।
- [मलकका जलडमरूमध्य](#) पर द्वीपों की रणनीतिक स्थति, उन्हेँ भारत-प्रशांत कषेत्र में नगिरानी और शक्ता प्रोजेक्ट करने की भारत की क्षमता के लयि एक महत्त्वपूरण परसिपत्ता बिनाती है ।
 - मलकका जलडमरूमध्य एक महत्त्वपूरण समुद्री अवरोध बदि है, जहाँ से हर साल **90,000** से अधिक व्यापारिक जहाज़ (merchant ships) दुनिया का लगभग **30%** व्यापार योग्य वस्तुओं का आयत-नरियात होता है ।
- ये द्वीप म्याँमार, थाईलैंड, इंडोनेशिया एवं बांग्लादेश के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करते हैं, जसिसे भारत को वशिष आर्थिक कषेत्र और महाद्वीपीय शेलफ के संदर्भ में [संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि \(United Nations Convention on the Law of the Sea - UNCLOS\)](#) के तहत पर्याप्त समुद्री स्थान प्राप्त होता है ।
- ये द्वीप वशिषकर भारत-प्रशांत कषेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण, भारत की समुद्री सुरक्षा को कमज़ोर करने के पूरव के कसिी भी प्रयास के वरिद्ध रक्षा के प्रथम स्तर के रूप में कार्य कर सकते हैं, ।
- [पोर्ट ब्लेयर](#) आपदा राहत, चकितिसीय सहायता, समुद्री डकैती से नपिटने, खोज और बचाव तथा अन्य समुद्री सुरक्षा पहलों पर सहयोग करने के लयि नौसेनाओं के लयि एक कषेत्रीय केंद्र बन सकता है ।

ANI के वकिस में क्या चुनौतियौँ हैं?

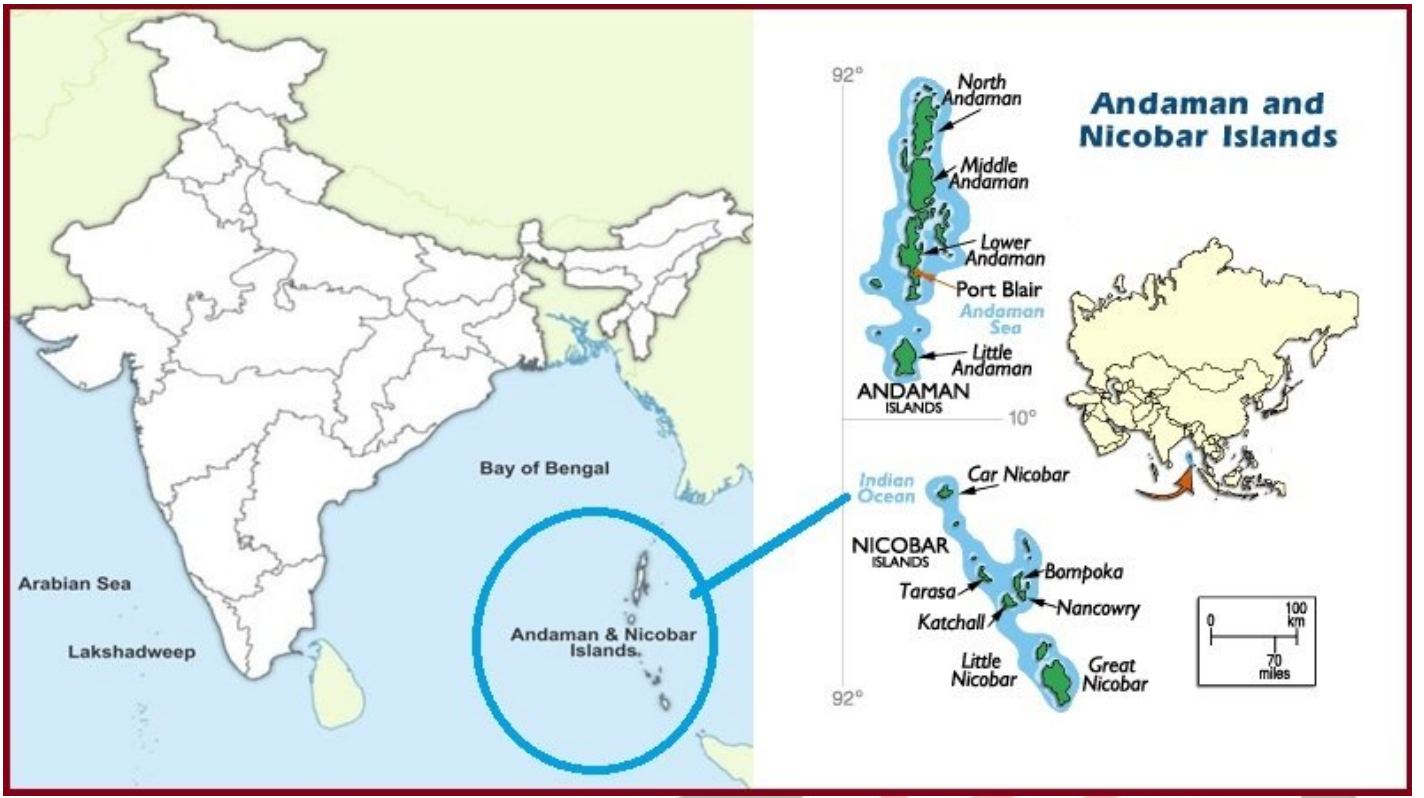
- [भारत की लुक ईसट नीति से मज़बूत एकट ईसट नीति](#) में बदलाव के साथ-साथ समुद्री शक्तिके महत्त्व और चीनी PLA नौसेना की बढ़ती क्षमताओं ने भारतीय द्वीप कषेत्रों, वशिषकर अंडमान और निकोबार समूह को वकिसति करने की आवश्यकता को रेखांकति कया है ।
- हाल तक राजनीतिक प्राथमकित्ता का अभाव, द्वीपों के रणनीतिक महत्त्व का एहसास केवल अब हुआ है ।
- मुख्य भूमि से दूरी की चुनौतियौँ और बुनयिदी ढाँचे के वकिस में कठनाइयौँ ।
- वन और जनजातीय संरक्षण पर जटलि पर्यावरण मंजूरी प्रक्रियाएँ और नयिम ।
 - कई मंत्रालयों और एजेंसियों की भागीदारी के कारण समन्वय चुनौतियौँ । दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि और तात्कालिक राजनीतिक लाभ के बीच संघर्ष ।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में किस रणनीतिक बुनियादी ढाँचे के विकास की आवश्यकता है?

- **समुद्री डोमेन जागरूकता बढ़ाना:**
 - द्वीपों पर व्यापक समुद्री डोमेन जागरूकता और नगिरानी सुनिश्चित करना।
 - पूर्व से किसी भी नौसैनिक दुस्साहस के वरिद्ध नविकारक क्षमताओं को मज़बूत करना।
- **बुनियादी ढाँचे को मज़बूत बनाना:**
 - भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को, **वर्षिक द्वीपों के दक्षिणी समूह में समर्थन देने के लिये बुनियादी ढाँचे का विकास करना।**
 - विकास एवं पर्यटन को सुवर्धन बनाने के लिये परिवहन और कनेक्टिविटी में सुधार करना। ग्रेट निकोबार द्वीप पर **सौलाथिया खाड़ी ट्रांसशिपमेंट** बंदरगाह का विकास करना।
 - **सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC)** के माध्यम से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को मुख्य भूमि से जोड़ने की योजना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इससे सस्ती व बेहतर कनेक्टिविटी और **डिजिटल इंडिया के लाभों** तक पहुँच मिलेगी।
 - **आवश्यक आपूर्ति और सेवाओं के लिये मुख्य भूमि के समर्थन पर द्वीपों की निर्भरता को कम करना।**
 - विकास एवं पर्यटन के लिये परिवहन और कनेक्टिविटी को बढ़ाना।
 - उच्च गतिवाली अंतर-द्वीपीय नौका सेवाओं और एक सीप्लेन टर्मिनल की स्थापना करना।
- **सैन्य उपस्थिति बढ़ाना:**
 - सेना को द्वीप की सुरक्षा बनाए रखने के लिये **अंडमान निकोबार कमांड (ANC)** में सेना की तैनाती बढ़ानी चाहिये। जिसमें वहाँ नगिरानी और लड़ाकू विमानों को तैनात करने के साथ-साथ नरिंतर सैन्य टुकड़ियों का संचालन करना भी शामिल है।
- **अंतरराष्ट्रीय सहयोग:**
 - विकास पहलों के लिये **कवाड** और **इंडो-पैसिफिक ओशन इनशिएटिव (IPOI)** के साथ साझेदारी स्थापित करना।
 - भारत की उत्तरी सीमाओं पर बुनियादी ढाँचे के विकास हेतु रणियतों की मांग करना।

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह:

- **इतिहास:**
 - अंडमान एवं निकोबार द्वीप के साथ भारत का जुड़ाव वर्ष **1857 के स्वतंत्रता संग्राम** के पश्चात् से है, जब अंगरेजों ने भारतीय **क्रांतिकारियों** के लिये एक **दंड कॉलोनी (penal colony)** की स्थापना की थी।
 - इन द्वीपों पर वर्ष 1942 में जापानियों ने कब्ज़ा कर लिया था और बाद में वर्ष 1943 में **ब्रिटिश शासन से मुक्त होने वाला यह भारत का प्रथम भाग बन गया**, जब **नेताजी सुभाष चंद्र बोस** ने पोर्ट ब्लेयर का दौरा किया।
 - वर्ष 1945 में जापानियों के आत्मसमर्पण के बाद अंगरेजों ने द्वीपों पर पुनः कब्ज़ा कर लिया। हालाँकि स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर द्वीप भारत को दे दिये गये।
 - **स्वतंत्रता से लेकर वर्ष 1962 तक की अवधि में द्वीपों की उनके दूरस्थ स्थान के कारण उपेक्षा देखी गई।**
 - वर्ष 1962 में एक चीनी पनडुबबी के प्रतापिता के कारण एक नौसैनिक गैरीसन की स्थापना की गई थी। वर्ष 2001 में कारगलि युद्ध के बाद सुरक्षा समीक्षा के बाद पोर्ट ब्लेयर में **अंडमान निकोबार कमांड (ANC)** की स्थापना की गई, जो भारत की पहली संयुक्त और एकीकृत परचालन कमान थी।
 - वर्ष 2001 में स्थापित ANC, भारत की पहली संयुक्त या एकीकृत परचालन कमान है, जो तीनों सेवाओं के साथ ही **तरकरक बल** को एक ही कमांडर-इन-चीफ के अधीन रखती है।
 - ANC रणनीतिक अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में व्यापक समुद्री डोमेन जागरूकता तथा नरिोध क्षमताओं को बनाए रखने के लिये उत्तरदायी है।
- **मुख्य तथ्य:**
 - **10 डिग्री चैनल** एक **संकीर्ण जलडमरूमध्य** है जो अंडमान द्वीप समूह को निकोबार द्वीप समूह से अलग करता है। यह लगभग **10 डिग्री अक्षांश चहिन पर स्थित** है।
 - **इंदिरा पॉइंट** निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी सरि है। यह ग्रेट निकोबार द्वीप पर स्थित है और **भारत के सबसे दक्षिणी बिंदु** को चहिनति करता है।
 - ANI 5 **वर्षिक रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों** का आवास है: ग्रेट अंडमानीज़, जारवा, ऑगेस, शोम्पेन एवं उत्तरी सेंटनिलीज़।
- **नवीनतम विकास:**
 - नीति आयोग **ग्रेट निकोबार के लिये एक परियोजना** चला रहा है जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक हवाई **अड्डा**, एक **बजिली संयंत्र** के साथ-साथ एक **टाउनशिप** भी शामिल होगी।
 - इसके अतिरिक्त, **लटिलि अंडमान** के प्रस्ताव में सगिपुर एवं हांगकांग के साथ प्रतसिपर्द्धा करने के लिये एक नए ग्रीनफील्ड तटीय शहर के विकास की घोषणा की गई है।
 - **करा नहर**, **थाईलैंड** में एक प्रस्तावित नहर है जो **थाईलैंड की खाड़ी को अंडमान सागर से जोड़ेगी**। इसका उद्देश्य हिंद महासागर के साथ ही दक्षिण चीन सागर के बीच शिपिंग के लिये एक लघु मार्ग का नरिमाण करना है।



???????? ???? ???? ???? ???? :

प्रश्न. भारत को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऐतिहासिक महत्त्व एवं विशेष रूप से भारत-प्रशांत कषेत्र में चीन की समुद्री महत्वाकांक्षाओं के संबंध में भू-राजनीतिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए विकास और सुरक्षा को किस प्रकार से प्राथमिकता देनी चाहिये?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????????

प्रश्न. नमिनलखिति द्वीपों के युगमों में से कौन-सा एक 'दश अंश जलमार्ग' द्वारा आपस में पृथक कथिा जाता है? (2014)

- (a) अंडमान एवं निकोबार
- (b) निकोबार एवं सुमात्रा
- (c) मालदीव एवं लक्षद्वीप
- (d) सुमात्रा एवं जावा

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनिमें प्रवाल भत्तियिँ पाई जाती हैं? (2014)

1. अंडमान और नोकोबार द्वीप समूह
2. कचछ की खाड़ी
3. मन्नार की खाड़ी
4. सुंदरबन

नीचे दथि गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनथि:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

प्रश्न. नम्नलिखित में से कसि स्थान पर शोम्पेन जनजात पाई जाती है? (2009)

- (a) नीलगरि पहाड़ियाँ
- (b) नकिोबार द्वीप समूह
- (c) स्पीत घाटी
- (d) लक्षद्वीप द्वीप समूह

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/strategic-importance-of-a-n-islands>

